सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 209 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, गुरुवार, 8 सितम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

जब तक आप खुद पर विश्वास नहीं करते तब तक आप भगवान पर विश्वास नहीं कर सकते।
-स्वामी विवेकानन्द

भ्रष्टाचार की पोल खोलने पर भेजा... 7 | लोक सभा चुनाव : भारत जोड़ो... 3 | अपनी चिंता करें अखिलेश, बीजेपी... 2

हाल-ए-नौकरशाही, मुख्यमंत्री के आदेश भी दरकिनार

फरियादियों की भीड़ देखकर भड़के सीएम, अब नपेंगे लापरवाह अफसर

- शिकायतों का निस्तारण तहसील और थाने स्तर पर नहीं करने पर जताई नाराजगी
- कई बार आदेश देने के बाद भी बरती जा रही लापरवाही
- जनता दरबार में दूर-दूर से पहुंच रहे फरियादी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। प्रदेश के अफसरों की मनमानी का आलम यह है कि वे सीएम योगी आदित्यनाथ के आदेशों को भी दरकिनार कर रहे हैं। सीएम के कई बार आदेश देने के बावजूद तहसील और थाने स्तर पर शिकायतों का निस्तारण नहीं किया जा रहा है। यही वजह है कि गोरखपुर पहुंचे सीएम के जनता दरबार में आज फरियादियों की भीड़ उमड़ी। पीड़ितों की भीड़ को देखकर मुख्यमंत्री का पारा चढ़ गया और उन्होंने लापरवाह अफसरों को चिन्हित कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने का आदेश दिया है। साथ ही एक बार फिर कहा कि थाने और तहसील के मामलों का वहीं पर निस्तारण किया जाए।

गोरखपुर दौरे पर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज गोरखनाथ मंदिर के हिंदू सेवाश्रम में आयोजित जनता दरबार में शिरकत की। उनके आने की सूचना पर दूर-दूर से फरियादी अपनी शिकायतों को लेकर पहुंचे। फरियादियों की भीड़ देखकर सीएम ने वहां मौजूद अधिकारियों से एक बार फिर नाराजगी जाहिर की। उन्होंने फिर दोहराया कि थाने और तहसील स्तर के मामलों का निस्तारण वहीं किया जाए और इसमें लापरवाही बरतने वाले अफसरों को चिन्हित करके उनके खिलाफ कार्रवाई की जाए। उन्होंने पुलिस व प्रशासन के आला अफसरों से कहा कि छोटे- छोटे मामलों का निस्तारण यदि जिला, तहसील और थाना स्तर पर होता तो ये लोग इतनी दूर से यहां जनता दरबार में नहीं आते। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि जिला कार्यालयों, तहसीलों और थानों में आने वाली शिकायतों को गंभीरता से लेकर उनका गुणवत्तापूर्ण ढंग से त्वरित निस्तारण करें। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कई बार अधिकारियों को तहसील और थाने स्तर पर शिकायतों को निस्तारित करने का आदेश दे चुके हैं लेकिन इसका असर अधिकारियों पर नहीं पड़ रहा है।

सुनीं शिकायतें समाधान का दिया भरोसा

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनता दरबार में करीब 150 फरियादियों की शिकायतें सुनीं। उन्होंने सभी को प्रभावी कार्रवाई और समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया। जनता दरबार में सर्वाधिक मामले पुलिस और राजस्व से जुड़े थे। सीएम ने यात्री निवास में इंतजार कर रहे 700 के करीब लोगों के लिए कमिश्नर, डीएम, एसएसपी और अन्य अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे उनकी समस्याएं सुनें।

लापरवाह अधिकारियों को चिन्हित कर कार्रवाई करने का दिया आदेश

किया दर्शन-पूजन

सीएम योगी ने आज सुबह सबसे पहले गुरु गोरखनाथ का दर्शन-पूजन किया। इसके बाद अपने गुरु ब्रह्मलीन महंत अवैद्यनाथ की समाधि पर मत्था टेक उनका आशीर्वाद लिया। मंदिर भ्रमण करते हुए गोशाला पहुंचे और वहां 20 मिनट तक गो सेवा की। गो-सेवकों से संवाद कर गायों की देखभाल की उचित सलाह दी।

वाराणसी में करेंगे विकास कार्यों की समीक्षा

अपनी कर्मस्थली गोरखपुर के करीब दो दिन के प्रवास के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ आज देर शाम वाराणसी पहुंचेंगे। यहां वे विकास कार्यों की समीक्षा करने के बाद श्रीकाशी विश्वनाथ धाम में दर्शन-पूजन भी करेंगे। वह वाराणसी में ही रात्रि विश्राम भी करेंगे।

पीएफआई टेरर मॉड्यूल मामले में बिहार में एनआईए की ताबड़तोड़ छापेमारी

आतंकी कैंप मामले में नामजद आरोपियों के ठिकानों की ली गई तलाशी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। पीएफआई टेरर मॉड्यूल मामले में बिहार के कई शहरों में नेशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (एनआईए) की टीम ने आज ताबड़तोड़ छापेमारी की। टीमें दरभंगा, अररिया, सारण, कटिहार, वैशाली और मुजफ्फरपुर में छापेमारी की। पटना के फुलवारी शरीफ में आतंकी ट्रेनिंग कैंप के भंडाफोड़ में नामजद आरोपियों के ठिकानों की तलाशी ली गई।

दरभंगा के शंकरपुर गांव में आज सुबह एनआईए की टीम पहुंची। गांव के सनाउल्लाह और मुस्तकीम के खिलाफ एफआईआर दर्ज है। मुस्तकीम घर पर नहीं मिला है। उसके परिजन से पूछताछ की जा रही है। दरभंगा के उर्दू मोहल्ले में भी नुरूद्दीन जंगी के घर पर पूछताछ की जा रही है। सारण के रुदलपुर गांव में भी एनआईए की टीम पहुंची है। यहां पीएफआई के सदस्य और सरकारी शिक्षक परवेज आलम के घर पर तलाशी ली गई। वैशाली के सेहान गांव में मोहम्मद रेयाज अहमद के यहां भी छापेमारी चल रही है। अररिया के अरतिया गांव में इंजीनियर एहसान परवेज के घर जांच हो रही है। गौरतलब है कि दो महीने पहले पटना के फुलवारी शरीफ स्थित पीएफआई के दफ्तर में आतंकी ट्रेनिंग कैंप का भंडाफोड़ हुआ था। यहां शारीरिक प्रशिक्षण के नाम पर युवाओं को देश में हिंसा और वैमनस्य फैलाने की ट्रेनिंग दी जा रही थी। यह केस एनआईए को दिया गया है।

बसपा प्रमुख मायावती ने सरकार को घेरा, कहा

किसानों के लिए सरकारी घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा की तरह

- किसानों को नहीं मिल रहा फसल का सही मूल्य

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बसपा प्रमुख मायावती ने किसानों को लेकर प्रदेश की योगी सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि किसानों के लिए सरकार की घोषणा ऊंट के मुंह में जीरा के समान है।

बसपा प्रमुख मायावती ने ट्विट किया, उपज का लाभकारी मूल्य व गन्ना बकाया नहीं मिल पाने से किसान पहले से ही दुखी व परेशान है। कमजोर मानसून ने अब उनकी चिन्ताएं और भी बढ़ा दी है। किसानों को ऐसी स्थिति से निकालने के लिए सरकार उनकी तत्काल मदद करे। साथ ही विशाल किसान समाज वाले प्रदेश में फसल सुरक्षा व भंडारण आदि के लिए अगले पांच वर्षों में 192 करोड़ अर्थात प्रति वर्ष मात्र करीब 38 करोड़ खर्च करने की ताजा घोषणा क्या ऊंट के मुंह में जीरा के बराबर नहीं लगती है? सरकार इनकी उपेक्षा करना बंद करे।

अपनी चिंता करें अखिलेश, बीजेपी के संपर्क में सपा के विधायक : भूपेंद्र

» केशव मौर्य को सीएम पद के आफर पर भूपेंद्र चौधरी का सपा प्रमुख पर पलटवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी के बीच जुबानी जंग जारी है। इसी क्रम में भाजपा के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि सपा प्रमुख को अपनी पार्टी की चिंता करनी चाहिए। क्योंकि उनके विधायक हमारे संपर्क में हैं। दरअसल, एक निजी चैनल के कार्यक्रम के दौरान सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने आफर देने के अंदाज में यूपी के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य के लिए कहा था कि 100 विधायक ले आएं, समाजवादी पार्टी उन्हें मुख्यमंत्री बना देगी।

इस बयान पर अब बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने अखिलेश यादव पर जवाबी हमला बोला है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी ने ट्वीट कर कहा कि केशव प्रसाद मौर्य संगठन के, पार्टी के

प्रमाणित एवं भाजपा की विचारधारा के लिए समर्पित कार्यकर्ता हैं। वह सदैव हमारे साथ रहेंगे, किसी स्वार्थ में पड़ने वाले नेता नहीं हैं। वह अखिलेश यादव को चलाएंगे, अखिलेश यादव उन्हें क्या चला पाएंगे? उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव तो अपने गठबंधन की, अपने परिवार की, अपनी पार्टी की, अपने विधायकों की भी चिंता कर लें क्योंकि उनके विधायक हमारे संपर्क में हैं। इससे पहले डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने इस आफर पर पलटवार करते हुए कहा कि वो अपने 100 विधायक बचाएं वो सब भाजपा में आने को तैयार हैं। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव मुझसे घृणा करते हैं। विधानसभा में अखिलेश का प्यार मेरे प्रति सबने देखा है। अखिलेश यादव खुद डूबने वाले हैं वो मुझे क्या मुख्यमंत्री बनाएंगे। बता दें कि एक निजी चैनल के कार्यक्रम में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव से केशव प्रसाद मौर्य के हमलों को लेकर जब सवाल पूछा गया तो अखिलेश ने कहा कि वह बहुत कमजोर आदमी हैं। उन्होंने सपना तो देखा था मुख्यमंत्री बनने का आज भी ले आएं 100 विधायक। अरे बिहार से उदाहरण न लें वो, जो बिहार में हुआ वो यूपी में क्यों नहीं करते हैं? अगर उनमें हिम्मत है और उनके साथ विधायक हैं। एक बार तो वो बता रहे थे कि उनके पास 100 से ज्यादा विधायक हैं। तो आज भी विधायक ले आएं समाजवादी पार्टी समर्थन कर देगी उनका।

सभी 756 नगरीय निकायों की कराएंगे रैंकिंग : एके शर्मा

» नगर विकास मंत्री ने अधिशासी अधिकारियों को दिया दो अक्टूबर तक का समय

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर विकास मंत्री एके शर्मा ने प्रदेश की सभी 756 नगरीय निकायों की रैंकिंग कराने का निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगरीय निकायों के अधिशासी अधिकारियों को इसके लिए दो अक्टूबर तक का समय दिया है। नगर विकास मंत्री ने कहा है कि दीपावली से पहले शहरों से गंदगी व कचरा पूरी तरह खत्म हो जाना चाहिए। दो अक्टूबर से नगरीय निकायों में किए गए कार्यों का परीक्षण कराया जाएगा।

इसके लिए स्थानीय निकाय निदेशालय से टीमें जाएंगी और उनके प्रदर्शन के आधार पर रैंकिंग करेंगी। उन्होंने सभी अधिशासी अधिकारियों को समय पर लक्ष्य पूरा करने के निर्देश दिए। नगर विकास मंत्री ने नगर पालिका परिषद एवं नगर पंचायतों के अधिशासी अधिकारियों की एक दिवसीय कार्यशाला के शुभारंभ अवसर पर कहा कि रैंकिंग से नगरीय निकायों में प्रतिस्पर्धा का भाव आएगा और निकाय अच्छा काम करेंगी। यह कार्यशाला हमारा पहला प्रयोग है। विकास योजनाओं के बारे में प्रशिक्षण लेकर निकाय आगे बढ़ेंगे। यूपी जब बदलेगा तभी देश बदलेगा। इससे पहले स्थानीय निकाय व स्वच्छ भारत मिशन की निदेशक नेहा शर्मा ने कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की।

अवैध निर्माण की जांच के लिए प्रदेश भर में चलेगा अभियान

» लेवाना अग्निकांड के बाद योगी सरकार सख्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राजधानी में अवैध तरीके से बनाए गए होटल लेवाना सुइट्स में हुए अग्निकांड के बाद सरकार और शासन ने अवैध निर्माणों को लेकर सख्ती शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में सभी विकास प्राधिकरणों को शहरी क्षेत्रों में बने मॉल, कोचिंग सेंटर, निजी अस्पताल, होटल समेत अन्य बड़े आवासीय और व्यावसायिक भवनों की जांच करने को कहा गया है। यह भी कहा गया है कि अवैध निर्माण होने की स्थिति में ऐसे भवनों को सील कर दिया जाए।

यह निर्देश प्रमुख सचिव आवास नितिन रमेश गोकर्ण ने सभी विकास प्राधिकरणों के उपाध्यक्ष और सचिव के साथ वीसी में दिए। प्रमुख सचिव ने कहा कि जांच में यह जरूर देखा जाए कि संबंधित भवनों का निर्माण मानकों के मुताबिक हुआ है या नहीं। अगर मानक के विपरीत निर्माण मिले तो भवन स्वामी को नोटिस देकर खामियों को दूर करने को कहा जाए। इस पर भी वह नहीं मानता है तो भवन को सील करने और अवैध हिस्से को तत्काल ध्वस्त करने की कार्रवाई शुरू की जाए। इस मौके पर प्रमुख सचिव ने सभी प्राधिकरण के अधिकारियों से उनके कार्यक्षेत्र में अवैध निर्माणों और कॉलोनियों के बारे में जानकारी ली तो बताया गया कि प्रदेश भर में करीब पौने दो लाख अवैध निर्माण हैं। इस पर प्रमुख सचिव ने ऐसे निर्माणों को नियमानुसार नियमित करने का मौका देने अन्यथा सीलिंग या ध्वस्तीकरण की कार्रवाई करने के भी निर्देश दिए हैं।

डबल इंजन की सरकार ने जनहित के मुद्दे हल किए : संजय निषाद

» 17 जातियों को एससी में शामिल करने के लिए केंद्र को भेजेंगे प्रस्ताव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय निषाद पार्टी के अध्यक्ष और मत्स्य विकास मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने कहा कि 17 ओबीसी जातियों को अनुसूचित जाति में शामिल करवाने के लिए प्रस्ताव सप्ताह भर के भीतर केंद्र सरकार को भेजा जाएगा। इस मामले में मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुसार समाज कल्याण मंत्री से भी बात हो चुकी है। प्रस्ताव राज्य सरकार की ओर से केंद्र को भेजा जाएगा। डॉ. निषाद ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर कहा कि पिछले कई दिनों से 17 जातियों के आरक्षण के मुद्दे पर कई तरह की भ्रांतियां सोशल मीडिया पर और विपक्षियों की ओर से फैलाई जा रही हैं।

यह मामला 17 जातियों निषाद, केवट, मल्लाह, बिंद, कहार, कश्यप, धीमर, रैकवार, तुरैहा, बाथम, भर, राजभर, धीवर, प्रजापति, कुम्हार, मांझी और मछुआ का है, जबकि कई दिनों से 18 जातियों की भ्रांति फैलाई जा रही है। डॉ. निषाद ने बताया कि बीते मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और समाज कल्याण मंत्री असीम अरुण से 17 पर्यायवाची जातियों को पिछड़ी से निकालकर अनुसूचित में शामिल करवाने को लेकर मुलाकात हुई थी। मंगलवार को भी समाज कल्याण मंत्री से इस बारे में विस्तृत चर्चा हुई और एक सप्ताह के अंदर निषाद पार्टी और समाज कल्याण मंत्रालय, उत्तर प्रदेश एक ड्राफ्ट तैयार कर राज्य सरकार की ओर से केंद्र सरकार को भेजेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा मामला परिभाषित (एक्सप्लेनेशन) करने का है। उदाहरण के तौर पर संबंधित अधिसूचना के क्रमांक-18 में बेलदार, क्रमांक-36 में गोंड, क्रमांक-53 में मझवार, क्रमांक-66 में तुरैहा हैं, जो मछुवा समुदाय की कहार कश्यप, केवट, मल्लाह, निषाद, रैकवार, धीवर, बिंद, धीमर, बाथम, तुरहा, गोड़िया, मांझी, मछुवा उपजातियां हैं। पूर्व की सरकारों ने मामले को उलझाने के लिए इन जातियों को परिभाषित करने के बजाय अलग से शामिल करने पर जोर दिया। जबकि, राज्य सरकार के पास अधिकार ही नहीं है कि किसी भी जाति को पिछड़ी से निकालकर अनुसूचित में डाल सके। उन्होंने कहा कि किस आधार पर 2005 में तत्कालीन सीएम मुलायम सिंह यादव और फिर 2016 में अखिलेश यादव आरक्षण की अधिसूचना जारी करते आए हैं। यह जवाब तो अब समाजवादी पार्टी को देना है कि भोले भाले निषाद समाज को क्यों अंधेरे में रख रहे थे। मत्स्य विकास मंत्री ने कहा कि डबल इंजन की सरकार में कई जनहित के मुद्दों को हल किया है, जिसको पूर्व की सरकारें मात्र वोट बैंक की राजनीति के चलते नही छेड़ते थे।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

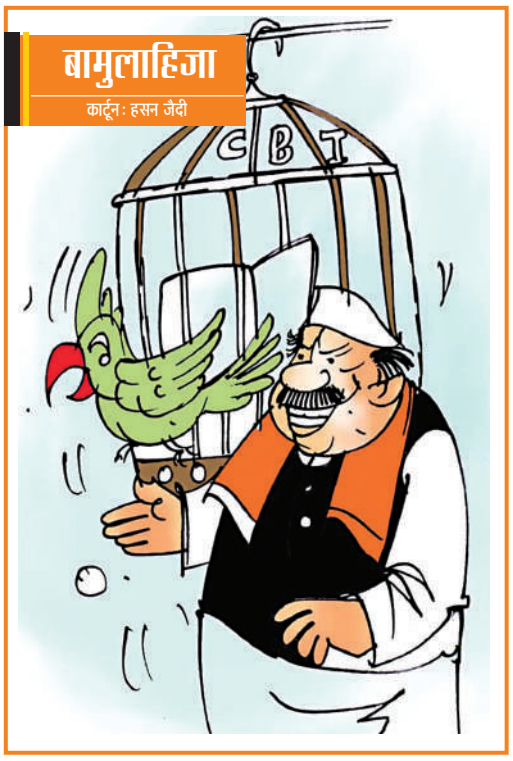

यूपी में 17 लाख निरक्षरों को किया जाएगा साक्षर

» बिना मानदेय काम करेंगे स्वयंसेवक

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रदेश में सत्र 2022-23 में 17 लाख निरक्षरों को साक्षर बनाया जाएगा। नवभारत साक्षरता अभियान के तहत सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों व डायट प्राचार्यों को निरक्षरों को चिह्नित करने निर्देश दिए गए हैं। यही नहीं, चिह्नित निरक्षरों को शिक्षित करने के लिए स्वयंसेवी शिक्षकों की सूची भी गांव, बस्ती व मजरावार तैयार हो रही है। योजना के तहत निरक्षरों का चिह्नांकन परिषदीय विद्यालयों के शिक्षकों के जरिए कराया जा रहा है। ये शिक्षक अपने विद्यालय से सटे क्षेत्र में घर-घर संपर्क करेंगे।

इस दौरान किसी घर में अगर बुजुर्ग भी निरक्षर है, तो उसका पता लगाया जाएगा। इसके बाद उन्हें साक्षर करने की कवायद शुरू होगी। एक स्वयंसेवी शिक्षक पर दस निरक्षरों को साक्षर करने की जिम्मेदारी सौंपी जाएगी। इस संबंध में निदेशक साक्षरता एवं वैकल्पिक शिक्षा/सचिव गणेश कुमार ने विस्तृत निर्देश जिलों को जारी किए हैं। यही नहीं, निरक्षरों को चिह्नित करने का जिलेवार लक्ष्य भी तय किया गया है। इसमें होने वाले बजट में 60 फीसदी हिस्सा केंद्र और 40 फीसदी राज्य का होगा। चिह्नांकन कार्य 15 सितंबर तक पूरा किया जाएगा।

लोक सभा चुनाव : भारत जोड़ो यात्रा से कांग्रेस को सियासी संजीवनी की आस

» राहुल गांधी के नेतृत्व में यात्रा का आगाज, 12 राज्यों से होकर गुजरेगी यात्रा

» महंगाई-बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर जनता से संवाद करने की मुहिम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। दिल्ली की सत्ता पर एक बार फिर काबिज होने के लिए कांग्रेस ने अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा का आगाज कर दिया है। कांग्रेस के रणनीतिकारों को उम्मीद है कि इसके जरिए पार्टी को लोक सभा में सियासी संजीवनी मिलेगी।

तमिलनाडु की कन्याकुमारी से राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा की शुरूआत हो गयी है। यह यात्रा 12 राज्यों से गुजरकर 3,570 किलोमीटर लंबी दूरी तय करेगी। यह पदयात्रा पांच महीनों तक चलेगी। इस यात्रा के दौरान राहुल गांधी आर्थिक विषमताओं, सामाजिक ध्रुवीकरण और राजनीतिक केंद्रीकरण की समस्याएं उठाएंगे। इसके अलावा कांग्रेस महंगाई-बेरोजगारी समेत तमाम मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरेगी। साथ ही जनता से बेहतर संवाद बनाने की कोशिश भी करेगी। यही नहीं कांग्रेस अपने शासन काल की उपलब्धियां भी गिनाएगी। गौरतलब है कि पिछले दो लोक सभा चुनाव और कई राज्यों की विधान सभा चुनावों में कांग्रेस को पराजय का मुंह देखना पड़ा है। वहीं पार्टी के अंदर भी घमासान मचा हुआ है। बड़े नेता लगातार कांग्रेस को छोड़कर दूसरे दलों में जा रहे हैं। यही नहीं कांग्रेस में अध्यक्ष के चुनाव को लेकर भी पार्टी के वरिष्ठ नेता सवाल उठाने लगे हैं। ऐसे में राहुल गांधी यह यात्रा शुरू कर एक बार फिर पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश भरने की कोशिश कर रहे हैं। इसके अलावा वे पार्टी के नेताओं को भी जोड़ने की कोशिश करेंगे ताकि लोक सभा चुनाव में पार्टी अपना प्रदर्शन बेहतर कर सके।

150 दिनों तक कंटेनर में सोएंगे राहुल

राहुल गांधी अगले 150 दिनों तक कंटेनर में सोएंगे। कुछ कंटेनरों में स्लीपिंग बेड, शौचालय और एयर-कंडीशनर भी लगाए गए हैं। यात्रा के दौरान कई क्षेत्रों में तापमान और वातावरण में अंतर होगा। स्थान परिवर्तन के साथ भीषण गर्मी और उमस को देखते हुए कई व्यवस्थाएं की गई है। लगभग 60 ऐसे कंटेनर तैयार किए गए हैं जहां एक गांव स्थापित किया गया है। रात्रि विश्राम के लिए कंटेनर को गांव के आकार में प्रतिदिन नई जगह पर खड़ा किया जाएगा। राहुल गांधी के साथ रहने वाले पूर्णकालिक यात्री एक साथ भोजन करेंगे। पार्टी पदाधिकारियों का कहना है कि राहुल गांधी भारत जोड़ो यात्रा को आम लोगों से जुड़ने का जरिया मानते हैं इसलिए वह इस पूरी यात्रा को चकाचौंध और ग्लैमर से दूर एक सरल तरीके से पूरा करना चाहते हैं।

यूपी के 15 कांग्रेस कार्यकर्ता भी मिला रहे कदम

लखनऊ। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा में उत्तर प्रदेश के 15 कार्यकर्ता भी उनके हमराही हैं। कांग्रेस पार्टी ने देश के 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से गुजरने वाली इस यात्रा में राहुल के साथ पैदल चलने वाले 117 पार्टी कार्यकर्ताओं की सूची जारी की है। इनमें 15 कार्यकर्ता यूपी के हैं। उप्र के इन कार्यकर्ताओं में कांग्रेस महासचिव व प्रदेश प्रभारी प्रियंका गांधी वाड्रा के निजी सचिव संदीप सिंह, युवा कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष केशव चंद यादव, फिशरमैन कांग्रेस के अध्यक्ष देवेन्द्र निषाद, अल्पसंख्यक विभाग के प्रदेश अध्यक्ष शाहनवाज आलम, युवा कांग्रेस से जुड़े रहे शाहनवाज मंगल, महिला कांग्रेस के कानपुर-बुंदेलखंड जोन की पूर्व अध्यक्ष प्रतिभा अटल पाल, महिला कांग्रेस के पूर्व जोन की अध्यक्ष शहला अहरारी, राहुल राजभर, शिवाकांत तिवारी, अक्षय क्रांतिवीर, मथुरा पी.कुशवाहा, बृजेश आर्य, राम बरन कश्यप, मो.आरिफ और केके शास्त्री शामिल हैं।

व्यापारियों को आरएलडी से जोड़ेंगे रोहित, 24 के चुनाव में प्रकोष्ठ निभाएगा अहम भूमिका

» प्रदेश में रालोद के संगठन का विस्तार करने के लिए व्यापारी प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष ने कसी कमर

» रोहित अग्रवाल राष्ट्रीय लोक दल के व्यापार प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के व्यापार प्रकोष्ठ के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष रोहित अग्रवाल ने कहा कि 2024 के लोक सभा चुनाव को ध्यान में रखते हुए उत्तर प्रदेश के व्यापारियों को एकजुट करना हमारा लक्ष्य रहेगा। रोहित बोले, राष्ट्रीय लोक दल व्यापारी वर्ग के हितों के लिए शुरू से प्रयासरत है और इसी क्रम में जो नई जिम्मेदारी मुझे सौंपी गई है, उसका निवर्हन करते हुए व्यापारी वर्ग को हमेशा साथ लेकर चलूंगा। उनके हक की बात करूंगा। व्यापारियों के हक की लड़ाई लड़ूंगा। इसके लिए हमें सत्ता पक्ष यानी भाजपा सरकार से लड़ाई मोल लेनी पड़े तो वो लड़ाई भी हम लड़ने के लिए तैयार हैं।

साथ ही संगठन का विस्तार भी करेंगे। रोहित अग्रवाल ने कहा कि 2024 में एक बार फिर रालोद मुखिया हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी भाजपा के वोट बैंक को पछाड़ देंगे। अब तक जितनी भी सरकारें रही हैं किसी ने व्यापारी वर्ग का भला नहीं किया है। सिर्फ उनको वोट बैंक के रूप में इस्तेमाल किया है। रालोद व्यापारी हितों के लिए हर स्तर पर सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़ेगा और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए सरकारों पर दबाव बनाएगा। साथ ही पश्चिम से लेकर पूरब तक व्यापार प्रकोष्ठ अधिक से अधिक व्यापारियों को आरएलडी से जोड़ेगा। आरएलडी इन दिनों अपने आनुषांगिक संगठनों को व्यापारियों सहित हर वर्ग के बीच में पैठ बनाने की कोशिश कर रही है, जिससे सरकार की खामियों को उजागर कर अपनी रीतियों और नीतियों से उनको वाकिफ करा सके।

राष्ट्रीय लोक दल ने 15 प्रकोष्ठों के प्रदेश अध्यक्ष घोषित किए, युवाओं को मिली वरीयता

लखनऊ। रोहित अग्रवाल को व्यापार प्रकोष्ठ का प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने रोहित को (व्यापार प्रकोष्ठ) का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। वर्तमान में रोहित अग्रवाल पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता है। रोहित अग्रवाल ने कहा कि मैं जयंत चौधरी का हृदय से धन्यवाद करता हूं कि उन्होंने मुझे इस पद का अवसर दिया। रोहित अग्रवाल 2017 में राष्ट्रीय लोक दल से लखनऊ पूर्वी से विधान सभा चुनाव लड़ चुके हैं। रोहित अग्रवाल टीवी के जाने माने चेहरा है। रोहित अग्रवाल ने 2022 के विधान सभा चुनाव में अहम भूमिका निभाई थी। अब उनके ऊपर उत्तर प्रदेश के व्यापारी वर्ग को जोड़ने की बड़ी जिम्मेदारी दी है। रोहित अग्रवाल एक व्यवहार कुशल नेता है। प्रदेश में अपनी एक अलग पहचान रखते है।

रालोद के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने बताया कि रविंद्र सिंह पटेल को युवा रालोद का प्रदेश अध्यक्ष, ममता शुक्ला को नारी शक्ति संगठन, अमन पांडेय को छात्रसभा, रामकृष्ण पटेल को किसान प्रकोष्ठ, चेतन मलिक को पंचायती राज प्रकोष्ठ, अमरजीत सिंह बिड्डी को सहकारिता प्रकोष्ठ, पूर्व विधायक संतराम कुशवाहा को पिछड़ा वर्ग प्रकोष्ठ, आरिफ महमूद को अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ, रोहित अग्रवाल को व्यापार प्रकोष्ठ, डॉ. सुशील को अनुसूचित जाति, जन जाति प्रकोष्ठ, कर्नल (रि.) ब्रह्मपाल तोमर को पूर्व सैनिक प्रकोष्ठ, प्रमोद पटेल को श्रम प्रकोष्ठ, दीपक तोमर को खेल एवं प्रोत्साहन प्रकोष्ठ, डा. ख्वाजा तारिक हसन को प्रोफेशनल मंच तथा संगीता दोहरे को सामाजिक न्याय मंत्र का अध्यक्ष बनाया गया है। प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने कहा कि इन सभी के मनोनयन से रालोद को मजबूती मिलेगी।

प्रकोष्ठ चुनाव में निभाएगा अहम भूमिका

उन्होंने कहा कि व्यापार प्रकोष्ठ लोकसभा चुनाव में अहम भूमिका निभाने जा रहा है। अभी दो साल का समय है। इस बीच कई सम्मेलन भी होंगे, जिसका निर्णय रालोद मुखिया आगे आने वाले समय में ले सकते हैं। सम्मेलन के जरिए व्यापारियों को वो मंच दिया जाएगा, जिसके वे हकदार है। उन्होंने कहा सभी बूथों पर आरएलडी के ज्यादा से ज्यादा सदस्य बनाने का लक्ष्य रखा गया है। रोहित बताते हैं कि आरएलडी का फोकस प्रदेश के व्यापारी वर्ग को बांधे रखने पर है, जिसके तहत हमें यह जिम्मेदारी दी गई है और हम इस नई जिम्मेदारी का स्वागत करते हैं।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

बढ़ते नगरीय क्षेत्र में सुविधाओं का सवाल

सवाल यह है कि क्या नगर निगमों के विस्तार से इसके दायरे में आने वाले लोगों को जनसुविधाएं मिल रही हैं? क्या शहरों की व्यवस्था सुधारने में नगर निगम सफल हो रहे हैं? क्या केवल सीमा विस्तार की मंजूरी भर से शहरीकरण संभव है? क्या नए नगरीय क्षेत्रों को विकसित करने के लिए सरकार के पास कोई ठोस कार्ययोजना है? क्या दायरे में आने वाले गांवों के विकास के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है?

प्रदेश में नगरीय क्षेत्र का दायरा लगातार बढ़ता जा रहा है। हाल में प्रदेश सरकार ने अलीगढ़ नगर निगम के सीमा विस्तार को मंजूरी दी है। इसके पहले भी राज्य में कई नगर निगमों का सीमा विस्तार किया जा चुका है। सीमा विस्तार से कई गांव शहर की जद में आ गए हैं। नगरीय क्षेत्र के विस्तार वाले क्षेत्र में जनसुविधाएं उपलब्ध कराने की जिम्मेदारी नगर निगम की होती है। सवाल यह है कि क्या नगर निगमों के विस्तार से इसके दायरे में आने वाले लोगों को जनसुविधाएं मिल रही हैं? क्या शहरों की व्यवस्था सुधारने में नगर निगम सफल हो रहे हैं? क्या केवल सीमा विस्तार की मंजूरी भर से शहरीकरण संभव है? क्या नए नगरीय क्षेत्रों को विकसित करने के लिए सरकार के पास कोई ठोस कार्ययोजना है? क्या दायरे में आने वाले गांवों के विकास के लिए पर्याप्त बजट का प्रावधान किया गया है? क्या नगर निगम अपने सीमा विस्तार तक जनसुविधाओं की पहुंच बनाने के लिए प्रतिबद्ध है?

प्रदेश सरकार ने लखनऊ समेत कई नगर निगमों और नगर पालिका परिषदों का सीमा विस्तार किया है। दिसंबर 2019 को लखनऊ के नगर निगम सीमा का विस्तार किया गया था। इसमें 88 गांव शामिल किए गए थे। जिनकी कुल आबादी उस समय दो लाख सत्तर हजार थी लेकिन ढाई साल बाद भी गांव से शहर में शामिल इन इलाकों में जनसुविधाएं नहीं पहुंच सकी हैं। यहां शुद्ध पेयजल, सीवर लाइन, सड़क और अन्य सुविधाएं नहीं है। विकास के तमाम काम ठप पड़े हैं। यही हाल अन्य नगर निगमों और नगर पालिका परिषदों के सीमा विस्तार से जुड़े इलाकों का है। हकीकत यह है कि नगर निगम मुख्य लखनऊ शहर तक में पर्याप्त जनसुविधाएं लोगों को उपलब्ध नहीं करा पा रहा है। शहर की सड़कें खस्ता हाल हैं। आज भी पूरे लखनऊ को शुद्ध पेयजल की सुविधा नहीं मिल पा रही है। सड़क से लेकर गलियों तक में गंदगी बिखरी रहती है। पुराने लखनऊ में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। जाम और अतिक्रमण यहां की पहचान बन चुकी है। यह स्थिति तब है जब नगर निगम के पास पर्याप्त संसाधन उपलब्ध हैं और हर साल इस पर भारी-भरकम बजट खर्च किया जाता है। जाहिर है नगरीय क्षेत्रों की सीमा विस्तार करने भर से हालात नहीं सुधरने वाले हैं। यदि सरकार नगरीयकरण को बढ़ावा देना चाहती है और गांवों तक जनसुविधाएं पहुंचाना चाहती है तो उसे इसके लिए ठोस कार्ययोजना बनानी होगी और उसे अमलीजामा पहनाने के लिए मजबूत तंत्र विकसित करना होगा। साथ ही नगर निगम को जवाबदेह भी बनाना होगा अन्यथा निगम केवल टैक्स वसूलने का विभाग भर बनकर रह जाएगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आंकड़ों के बजाय हकीकत को समझें

विश्वनाथ सचदेव

एक टी.वी. डिबेट में मुद्दा महंगाई का था और भाजपा और कांग्रेस के प्रवक्ता आंकड़े देकर अपने-अपने पक्ष में दावे प्रस्तुत कर रहे थे। कांग्रेस के प्रवक्ता ने 8 साल पहले की महंगाई का हवाला देते हुए आज की स्थिति से उसकी तुलना की। आंकड़े देकर बताया कि जरूरत की चीजों के दाम तब की तुलना में आज बहुत ज़्यादा हैं। इसमें पेट्रोल-डीजल की कीमतों का उदाहरण सबसे मौजूं है। तब पेट्रोल की प्रति लीटर दर सत्तर के आसपास थी और आज सौ के आस-पास है। बाकी आंकड़े भी स्पष्ट बता रहे थे कि पिछले आठ सालों में जीवनावश्यक वस्तुओं के दाम लगातार बढ़े हैं। दूसरी तरफ भाजपा के प्रवक्ता भी आंकड़ों से लैस होकर आये थे। वे प्रतिशत में बात कर रहे थे। जैसे, मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार के अलग-अलग सालों में महंगाई की वृद्धि-दर का प्रतिशत क्या था और नरेंद्र मोदी की सरकार के सालों में दर का प्रतिशत क्या रहा।

स्पष्ट है, प्रवक्ता को प्रतिशत में बात करना फायदे का तरीका लग रहा था जबकि इस वृद्धि का प्रभाव इस दृष्टि से देखा जाना चाहिए कि आम आदमी महंगाई की मार से कैसे त्रस्त है। उसकी सब्जी, दालें, गेहूं, चावल, ईंधन यानी जीवन-यापन का हर साधन पिछले आठ-दस साल की तुलना में कितना महंगा हो गया है। महंगाई की मार में पिसते आदमी की कठिनाइयों को समझने के लिए आंकड़ों की ज़रूरत नहीं है। जो सामने दिख रहा है उसे ईमानदारी से देखने भर की जरूरत है। आंकड़े झूठ नहीं बोलते यह कहना सच है, पर यह भी गलत नहीं है कि सिर्फ आंकड़ों के सहारे हकीकत को नहीं समझा जा सकता। बचपन में सुनी एक कहानी आपको सुनाने का मन कर रहा है। गणित के एक अध्यापक अपने बेटे के साथ पास के गांव में जा रहे थे। रास्ते में एक नदी पड़ती थी। बारिश का मौसम था, पानी कुछ ज़्यादा लगा उन्हें। अध्यापक स्वयं तो लगभग छह फुट के थे, पर उनका बेटा साढ़े चार फुट का ही था। अध्यापक ने इस किनारे से उस किनारे तक पानी की गहराई को नापा। फिर औसत गहराई की गणना की और इस निष्कर्ष पर पहुंचे कि उनका चार-साढ़े चार फुट का बेटा आसानी से चार फुट औसत गहरे पाने को पार कर सकता है। वे दोनों उतर गये नदी में। बीच धार में पानी की गहराई पांच फुट थी। बेटा वहां पहुंचते-पहुंचते डूब गया। गणित के अध्यापक ने फिर से गणना की। उनका हिसाब ठीक था। उन्हें बेटे के डूबने का गम तो था पर इस बात का संतोष था कि उनकी गणना गलत नहीं

थी। प्रतिशत का हाल भी औसत जैसा ही है। आवश्यकता आंकड़ों को जानने की नहीं, उनके अर्थ को समझने की होती है। और जो भी आंकड़े हमारे सामने हैं, वे यही बताते हैं कि या तो उन्हें सही और पूरे संदर्भों में समझने की कोशिश नहीं की जा रही या फिर स्थिति के लिए उत्तरदायी लोग सही समझना चाहते नहीं हैं।

महंगाई और बेरोजगारी दो बड़ी समस्याएं हैं देश की। इन्हें पूरे संदर्भों में और पूरी संवेदनशीलता के साथ समझने की आवश्यकता है। यह सही है कि आंकड़ों के अनुसार आज हमारा भारत अर्थव्यवस्था की दृष्टि से ब्रिटेन को पीछे छोड़कर विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, पर सही यह भी है कि दो साल पहले यानी साढ़े पांच करोड़ भारतीय गरीबी के रसातल में पहुंच गये थे। आंकड़े यह भी बताते हैं कि वर्ष 2021 के वैश्विक भूख सूचकांक में भारत 116 देशों में 101 वें स्थान पर था। महामारी के दौरान (मार्च, 2020 से नवंबर 2021) देश के 84 प्रतिशत परिवारों की आमदनी में गिरावट आयी थी। इसी दौरान देश के अरबपतियों की संख्या 102 से बढ़कर 142 हो गयी थी। उनकी कुल संपत्ति दोगुनी से भी अधिक हो गई थी। इस रिपोर्ट का निष्कर्ष निकालते हुए ऑक्सफैम ने लिखा था, 'भारत में संपदा की यह गैर-बराबरी उस व्यवस्था का नतीजा है जो गरीबी और हाशिये के लोगों के खिलाफ चरम धनिकों के पक्ष में चरम धांधली का शिकार है।'महामारी के दौरान देश की अस्सी करोड़ आबादी को मुफ्त अनाज दिया गया। यह रेवड़ियां बांटने वाली बात नहीं है और मुफ्त अनाज सिर्फ चुनाव जीतने के लिए नहीं बांटा गया था। अस्सी करोड़ लोगों के जीने के लिए यह जरूरी था। महंगाई की मार से त्रस्त आम आदमी की आज भी स्थिति बदली नहीं है। इसे समझने की जरूरत है। इस बात को समझना जरूरी है कि अस्सी करोड़ आबादी भीख मांगने जैसी स्थिति में क्यों आयी? यह बात आंकड़ों से नहीं समझी-समझायी जा सकती। उचित और पूरे संदर्भों में स्थिति का आकलन जरूरी है। ईमानदारी से सोचना होगा कि देश की जनता को गरीबी से उबारने के लिए क्या किया जाना चाहिए। समझना यह जरूरी है कि हिसाब सही होने के बजाय अध्यापक के बेटे का डूबना कहीं अधिक चिंतापूर्ण है।

सड़क सुरक्षा नियमों को सख्ती से लागू कराना जरूरी

नीरज कुमार दुबे

महाराष्ट्र के पालघर में एक सड़क दुर्घटना में टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की मौत ने सड़क सुरक्षा के मुद्दों मसलन तेज रफ्तार पर नजर रखने, पीछे बैठे यात्रियों के लिए सीट बेल्ट पहनने और सड़क की असंगत बनावट पर बहस तेज कर दी है। विशेषज्ञों का कहना है कि इस दुर्घटना से तीन प्रमुख निष्कर्ष निकलते हैं कि सड़कों, विशेष रूप से राजमार्गों को सुसंगत तरीके से बनाया जाना चाहिए। सड़क पर पर्याप्त संकेत चिह्न होने चाहिए और पीछे बैठे व्यक्ति के लिए सीट बेल्ट पहनने के कानून को लागू किया जाना चाहिए।

अंतराष्ट्रीय सड़क महासंघ के अनुसार, दुनिया भर में होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में 11 प्रतिशत से अधिक हादसे भारत में होते हैं, जिनमें हर दिन 426 लोगों की जान जाती है और हर घंटे 18 लोग मारे जाते हैं। 2021 में 1.6 लाख से अधिक लोगों की जान चली गई। महासंघ का कहना है कि अधिकतर सड़क दुर्घटना में होने वाली मौतों को टाला जा सकता है। माना जा रहा है कि कार की पिछली सीट पर बैठने वाले यात्रियों के लिए भी सीट बेल्ट पहनने के कानूनी प्रावधान का अगर पालन किया गया होता तो साइरस मिस्त्री और उनके दोस्त की जान बच सकती थी। ऐसा लगता है कि जब उनकी तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई तो सीट बेल्ट न पहनने से पीछे बैठे दोनों यात्री उछलकर अगले हिस्से की तरफ टकरा गए होंगे। जहां तक सीट बेल्ट संबंधी नियमों की बात है तो कानूनी तौर पर पिछली सीट पर बैठने वाले यात्रियों के लिए सीट बेल्ट न पहनने पर 1,000 रुपये के जुर्माने का प्रावधान है। यह अलग बात है कि मोटर वाहन अधिनियम के नियम 138 (तीन) के तहत किए गए इस प्रावधान के बारे में या तो लोगों को जानकारी नहीं है या वे इसे नजरअंदाज कर देते हैं। यातायात पुलिस भी इस प्रावधान का उल्लंघन करते पाए जाने पर शायद ही लोगों पर जुर्माना लगाती है। देखा जाये तो पीछे बैठने वालों के बीच सीट बेल्ट पहनने की प्रवृत्ति बहुत कम पाई जाती है। बड़े शहरों और महानगरों में यह काफी कम है। छोटे शहरों में तो यह लगभग शून्य है। दूसरी ओर यदि सरकार की ओर से सड़क सुरक्षा खामियों को दूर करने के प्रयासों पर गौर करें तो देखने में आता है कि सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों में कमी लाने के लिए सरकार वाहनों में सुरक्षा प्रावधानों को सख्त करने की कोशिश में लगी हुई है। सरकार वाहन विनिर्माताओं के लिए कम-से-कम छह एयरबैग देना जरूरी करने का प्रावधान भी करना चाहती है। माना जा रहा है कि आठ यात्रियों वाले वाहनों में छह एयरबैग का प्रावधान अक्टूबर से लागू किया जा सकता है। एयरबैग किसी भी वाहन में लगा एक प्रतिरोधक सुरक्षा उपकरण होता है जो हादसे के समय अचानक खुल जाता है और यात्रियों को सीधी टक्कर से बचा लेता है लेकिन यह भी ध्यान रखा जाना चाहिए कि एयरबैग पूरक प्रतिरोध प्रणाली ही होते हैं। प्राथमिक प्रतिरोध प्रणाली का काम तो सीट बेल्ट ही करती है।

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने पिछले साल कहा था कि मध्यम आय वर्ग की तरफ से खरीदी जाने वाली छोटी कारों में भी समुचित संख्या में एयरबैग दिए जाने चाहिए। उन्होंने महंगी कारों में ही आठ एयरबैग दिए जाने को लेकर विनिर्माताओं पर सवाल भी उठाए थे। गडकरी ने कुछ महीने पहले कहा था कि वाहनों में मौजूद लोगों की सुरक्षा के लिए सरकार ने वाहन कंपनियों को थ्री-पॉइंट सीट बेल्ट की पेशकश करने को कहा है। उन्होंने कहा था कि पिछली सीट पर बीच में बैठने वाले शख्स के लिए भी सीट बेल्ट देनी होगी। देखा जाये तो भारत में सड़कों पर सुरक्षा सुनिश्चित करने वाले तमाम सुरक्षा मानक मौजूद हैं, असल समस्या उनके अनुपालन में है। इस बीच, विभिन्न स्तरों पर जागरूकता कार्यक्रमों की शुरुआत हो भी चुकी है। टाटा संस के पूर्व चेयरमैन साइरस मिस्त्री की एक कार दुर्घटना में मृत्यु होने के मद्देनजर, दिल्ली पुलिस ने ट्वीट करके नागरिकों से तेज गति में वाहन नहीं चलाने और हमेशा सीट बेल्ट पहनने का आग्रह किया है। दिल्ली पुलिस ने हैशटैग 'रोड सेफ्टी' और 'दिल्ली पुलिस केयर्स' के साथ ट्वीट किया, ''तेजी गति से वाहन नहीं चलायें। अपनी सीट बेल्ट लगायें। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि आप कहां बैठे हैं, आगे की सीट पर या पीछे की सीट पर। सीट बेल्ट लगायें, हर बार लगायें।'' उधर, सीट बेल्ट पहनने की अहमियत पर जोर देते हुए महिंद्रा एंड महिंद्रा के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने कहा, ''मैं कार की पिछली सीट पर बैठते समय भी सीट बेल्ट पहनने की शपथ लेता हूं। मैं आप सब लोगों से भी यह शपथ लेने का अनुरोध करता हूं। हम सबको अपने परिवार की फिक्र करनी है।'' गौरतलब है कि साइरस मिस्त्री और उनके दोस्त जहांगीर पंडोले को कार दुर्घटना में कई चोटें आई थीं और ब्लंट थोरैक्स ट्रामा के कारण लगभग तत्काल उनकी मौत हो गई। जेजे अस्पताल के एक चिकित्सा अधिकारी ने यह जानकारी दी। वहीं जो लोग सड़कों की गुणवत्ता पर सवाल उठा रहे हैं उस पर केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी की भी टिप्पणी आई है। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कुछ सड़क दुर्घटनाओं के लिए त्रुटिपूर्ण परियोजना रिपोर्ट को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि कंपनियों को राजमार्गों एवं अन्य सड़कों के निर्माण से जुड़ी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए उचित प्रशिक्षण की आवश्यकता है। सरकार नयी तकनीकों के उपयोग को बढ़ावा दे रही है। राज्य सरकारें हर साल सड़कों की मरम्मत के लिए 10,000-15,000 करोड़ रुपये खर्च कर रही हैं।

कई बार खाना बनाते समय तेल बच जाने पर लोग उसे रियूज करने के लिए रख देते हैं। एक बार इस्तेमाल किया हुआ तेल न सिर्फ काला और गंदा दिखने लगता है बल्कि इसके जल्दी खराब होने के चांसेस भी बढ़ जाते हैं। उसे साफ करने के टिप्स जान लीजिए।

इस टिप्स से कई दिनों तक नहीं होगा खराब

कुकिंग ऑयल

तेल का इस्तेमाल सभी किचन में होता है। बिना ऑयल के हर खाने का स्वाद फीका लगने लगता है। पूरियां बनाने से लेकर पकौड़े तलने जैसे कुछ टेस्टी फूड बनाने में तेल की मात्रा ज्यादा लगती है। जिसके बाद ज्यादातर लोग बचे हुए तेल को दोबारा इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। ऐसे में तेल को रियूज करने से पहले कुछ आसान तरीकों की मदद से आप इसे साफ भी कर सकते हैं। दरअसल एक बार इस्तेमाल होने के बाद कुकिंग ऑयल में न सिर्फ अन्न के टुकड़े रह जाते हैं, बल्कि जलने की वजह से तेल काला भी पड़ जाता है। आपको तेल को साफ करने के कुछ आसान नुस्खे बता रहे हैं, जिसे ट्राई करके आप तेल को साफ करने के साथ-साथ इसे खराब होने से भी बचा सकते हैं।

तेल को इस्तेमाल करने के बाद रोशनी और नमी वाली जगह पर न रखें

मक्के के आटे की लें मदद

कुकिंग ऑयल को साफ करने के लिए आप कॉर्न स्टार्च यानी मक्के के आटे का इस्तेमाल कर सकते हैं। तेल में मक्के का आटा मिलाकर तेल को हल्का गर्म करते हुए कल्छी से हिलाएं। अब कॉर्न स्टार्च में तेल का जला भाग मिक्स होने के बाद तेल को छान लें। इससे आपका तेल बिल्कुल साफ हो जाएगा।

छन्नी से छानें

तेल को साफ करने के लिए जालीदार छन्नी का इस्तेमाल सबसे आसान और कारगर तरीका है। इसके लिए खाना बनाने के बाद बचे हुए तेल को ठंडा होने दें। अब छन्नी की मदद से तेल को किसी दूसरे बर्तन में छानकर इसका जला भाग अलग कर दें। इससे तेल आराम से साफ हो जाएगा।

ऑयल को साफ करने के लिए जालीदार छन्नी का इस्तेमाल कर सकते हैं।

नींबू का करें इस्तेमाल

तेल को साफ करने के लिए आप नींबू की भी मदद ले सकते हैं। इसके लिए बचे हुए तेल को गर्म करें और इसमें नींबू के कुछ टुकड़े काट कर डाल दें। इससे तेल में मौजूद जले हुए पार्टिकल्स नींबू में चिपक जाएंगे और फिर इसे छानने पर तेल साफ हो जाएगा।

खराब होने से बचाएं

कई लोग तेल को इस्तेमाल करने के बाद इसे रियूज करने के लिए बाहर ही छोड़ देते हैं। मगर इससे तेल जल्दी खराब हो सकता है। इसलिए तेल को एक बार इस्तेमाल करने के बाद इसे रोशनी और नमी वाली जगहों से दूर रखने की कोशिश करें।

गर्मी से रखें दूर

जानकारी के अभाव में अक्सर लोग कुकिंग ऑयल को इस्तेमाल करने के बाद बचे हुए तेल को गैस के पास ही छोड़ देते हैं। जिसके कारण गैस से निकलने वाली हीट से तेल खराब होने की आशंका रहती है। ऐसे में तेल को रियूज करने के लिए उसे हीट और गर्म जगहों से दूर रखना बेहतर रहता है।

हंसना मना है

ये वो दौर है जनाब जहां इंसान गिर जाये तो हंसी निकल जाती है और मोबाईल गिर जाये तो जान निकल जाती है।

दो लड़कियां बस में सीट के लिए लड़ रही थीं कंडक्टर- अरे क्यों लड़ रही हो, जो उम्र में सबसे बड़ी है वो बैठ जाए फिर क्या, पूरे रास्ते दोनों खड़ी ही रहीं।

लड़का- ओए पगली! हम तो दुश्मन भी शेर जैसे रखते हैं, तू है एक कोमल कली, मुझसे पंगा जरा सोच समझ कर ले। क्योंकि मैं एक शेर कि औलाद हूं। लड़की- अच्छा तो एक बात बता शेर घर पर आया था, या आंटी जंगल गयी थी। सोलिड वाली बेईज्जती।

लडका : मैं उस लडकी से शादी करुंगा, जो मेहनती हो,सादगी से रहती हो, घर को संवारकर रखती हो, आज्ञाकारी हो।
प्रेमिका : मेरे घर आ जाना, ये सारे गुण मेरी नौकरानी में है

एक भिखारी को 100 का नोट मिला वो फाइव स्टार होटेल में गया और भरपेट खाना खाया 1500 रुपये का बिल आया, उसने मेनेजर से कहा, पैसे तो नहीं है मैनेजर ने पुलिस के हवाले कर दिया भिखारी ने पुलिस को 100 का नोट दिया, और छूट गया इसे कहते हैं... फाइनेन्सियल मैनेजमेन्ट विदाउट एमबीए इन इंडिया।

कहानी — स्त्री का विश्वास

एक स्थान पर एक ब्राह्मण और उसकी पत्नी बड़े प्रेम से रहते थे। किन्तु ब्राह्मणी का व्यवहार ब्राह्मण के कुटुम्बियों से अच्छा नहीं था। परिवार में कलह रहता था। प्रतिदिन के कलह से मुक्ति पाने के लिये ब्राह्मण ने मां-बाप, भाई-बहिन का साथ छोड़कर पत्नी को लेकर दूर देश में जाकर अकेले घर बसाकर रहने का निश्चय किया। यात्रा लंबी थी। जंगल में पहुंचने पर ब्राह्मणी को बहुत प्यास लगी। ब्राह्मण पानी लेने गया। पानी दूर था, देर लग गई। पानी लेकर वापिस आया तो ब्राह्माणी को मरी पाया। ब्राह्मण बहुत व्याकुल होकर भगवान से प्रार्थना करने लगा। उसी समय आकाशवाणी हुई कि-ब्राह्मण! यदि तू अपने प्राणों का आधा भाग इसे देना स्वीकार करे तो ब्राह्मनी जीवित हो जायगी। ब्राह्मण ने यह स्वीकार कर लिया। ब्राह्माणी फिर जीवित हो गई। दोनों ने यात्रा शुरु करदी। वहाँ से बहुत दूर एक नगर था। नगर के बारा में पहुंचकर ब्राह्मण ने कहा-प्रिये! तुम यहीं ठहरो, मैं अभी भोजन लेकर आता हूँ। ब्राह्मण के जाने के बाद ब्राह्माणी अकेली रह गई। उसी समय बारा के कुएं पर एक लंगड़ा, किन्तु सुन्दर जवान रहट चला रहा था। ब्राह्माणी उससे हंसकर बोली। वह भी हँसकर बोला। दोनों एक दूसरे को चाहने लगे। दोनों ने जीवन भर एक साथ रहने का प्रण कर लिया। ब्राहमण जब भोजन लेकर नगर से लौटा तो ब्राह्माणी ने कहा-यह लंगड़ा व्यक्ति भी भूखा है, इसे भी अपने हिस्से में से दे दो। जब वहां से आगे प्रस्थान करने लगे तो ब्राह्माणी ने ब्राह्मण से अनुरोध किया कि-इस लँगड़े व्यक्ति को भी साथ ले लो। रास्ता अच्छा कट जायगा। तुम जब कहीं जाते हो तो मैं अकेली रह जाती हूँ। बात करने को भी कोई नहीं होता। इसके साथ रहने से कोई बात करने वाला तो रहेगा। ब्राह्मण ने कहा-हमें अपना भार उठाना ही कठिन हो रहा है। इस लंगड़े का भार कैसे उठायेंगे? ब्राह्मणी ने कहा- हम इसे पिटारी में रख लेंगे। ब्राह्मण को पत्नी की बात माननी पड़ी। कुछ दूर जाकर ब्राह्माणी और लंगड़े ने मिलकर ब्राह्मण को धोखे से कुएं में धकेल दिया। उसे मरा समझ कर वे दोनों आगे बढ़े। नगर की सीमा पर राज्य-कर वसूल करने की चौकी थी। राजपुरुषों ने ब्राह्माणी की पिटारी को जबर्दस्ती उसके हाथ से छीन कर खोला तो उस में वह लंगड़ा छिपा था। यह बात राज-दरबार तक पहुंची। राजा के पूछने पर ब्राह्माणी ने कहा- यह मेरा पति है। अपने बन्धु-बान्धवों से परेशान होकर हमने देस छोड़ दिया है। राजा ने उसे अपने देश में बसने की आज्ञा दे दी। कुछ दिन बाद, किसी साधु के हाथों कुएं से निकाले जाने के उपरान्त ब्राह्मण भी उसी राज्य में पहुंच गया। ब्राह्मणी ने जब उसे वहां देखा तो राजा से कहा कि यह मेरे पति का पुराना वैरी है, इसे यहाँ से निकाल दिया जाये, या मरवा दिया जाये। राजा ने उसके वध की आज्ञा दे दी। ब्राह्मण ने आज्ञा सुनकर कहा-देव! इस स्त्री ने मेरा कुछ लिया हुआ है। वह मुझे दिलवा दिया जाये। राजा ने ब्राह्मणी को कहा-देवी! तूने इसका जो कुछ लिया हुआ है, सब दे दे। ब्राह्माणी बोली-मैंने कुछ भी नहीं लिया। ब्राह्मण ने याद दिलाया कि-तूने मेरे प्राणों का आधा भाग लिया हुआ है। सभी देवता इसके साक्षी हैं। ब्राह्मणी ने देवताओं के भय से वह भाग वापस करने का वचन दे दिया। किन्तु वचन देने के साथ ही वह मर गई। ब्राह्मण ने सारा वृत्तान्त राजा को सुना दिया।

7 अंतर खोजें

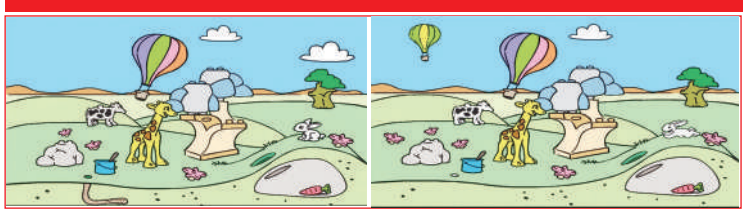

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

आज आपके घर पर मेहमान आ सकते हैं। आज मन की बात किसी से शेयर करने की इच्छा हो सकती है। पैसों के मामलों में किसी से मदद मिल सकती है। आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास हो सकता है।

वृषभ

आज आप अच्छा पैसा कमाएंगे लेकिन खर्च में इजाफा आपके लिए बचत को और ज्यादा मुश्किल बना देगा। संपत्ति को लेकर विवाद खड़े हो सकते हैं। संभव हो तो इसे ठंडे दिमाग से सुलझाने की कोशिश करें।

मिथुन

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज सबको साथ लेकर चलने की कोशिश करें। घर वालों के साथ कहीं घूमने का प्लान बना सकते हैं। सेहत में उतार-चढ़ाव बना रहेगा।

कर्क

कुछ नए मौके भी मिलेंगे, जो आपको आर्थिक लाभ करा सकते हैं। आज पुरानी चिंताओं को भूलकर आगे बढ़ने की सोच सकते हैं। इस राशि के टीचरों के लिये आज का दिन मान-सम्मान और प्रतिष्ठा बढ़ाने वाला हो सकता है।

सिंह

आपकी व्यक्तिगत समस्याएं मानसिक शांति को भंग कर सकती हैं। मानसिक दबाव से बचने के लिए अच्छा पढ़ें। कुछ जरूरी योजनाएं क्रियान्वित होंगी और आर्थिक मुनाफा पहुंचाएंगी।

कन्या

वे निवेश-योजनाएं जो आपको आकर्षित कर रही हैं, उनके बारे में जानने की कोशिश करें- कोई भी कदम उठाने से पहले विशेषज्ञ की सलाह जरूर ले लें। खराब सेहत की वजह से घूमने का कार्यक्रम टल सकता है।

तुला

आज आपके पास खुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौके का फायदा उठाएं और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएं। अगर आप आय में वृद्धि के स्रोत खोज रहे हैं, तो सुरक्षित आर्थिक परियोजनाओं में निवेश करें।

वृश्चिक

आज आपका दिन बेहतरीन रहेगा। आज का दिन आपके लिए तरक्की लेकर आयेगा। किसी बड़े अधिकारी का सहयोग प्राप्त होगा। आज का दिन खुशियां लेकर आने वाला है।

धनु

अच्छी खबर मिल सकती है। दूसरों को प्रभावित करने के लिए जरूरत से ज्यादा खर्चा न करें। निरंकुश व्यवहार के चलते पारिवारिक सदस्य खफा हो सकते हैं।

मकर

कोई नया काम मिल सकता है। आज किसी को पैसा उधार देने से बचें। जरुरी कामों को आज दूसरों के भरोसे न छोड़ें। छोटे स्तर पर शुरू किया गया बिजनेस लाभकारी हो सकता है।

कुम्भ

घर में बड़ों की सलाह से आगे बढ़ने का मौका मिलेगा। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। आज बदलते मौसम का पूरा लाभ उठायेंगे। आज किसी व्यक्ति से पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा, जिससे काम को करने में आसानी होगी।

मीन

रचनात्मक शौ? आज आपको सुकून का एहसास कराएंगे। योजनाएं आपके धन को कम कर सकती हैं। आपके परिवार वाले किसी छोटी-सी बात को लेकर राई का पहाड़ बना सकते हैं।

बॉलीवुड | मन की बात

जस्टिन बीबर इंडिया में नहीं कर पाएंगे परफॉर्म

हॉलीवुड पॉप सिंगर जस्टिन बीबर कुछ महीने पहले फेशियल पैरालिसिस का शिकार हो गए थे। हालांकि इसके कुछ दिन बाद उन्होंने वर्ल्ड टूर करना शुरू कर दिया था। लेकिन अब उन्होंने सोशल मीडिया पर एक नोट शेयर कर फैंस को बताया है कि खराब सेहत की वजह से उन्होंने अपने वर्ल्ड टूर को बीच में ही रोक दिया है। साथ ही उन्होंने नोट में अपने फैंस की दुआओं और सपोर्ट के लिए शुक्रिया अदा किया है। जस्टिन ने अपने नोट में लिखा, इस साल की शुरुआत में मैंने राम से हंट सिंड्रोम के साथ अपनी लड़ाई के बारे में सबको बताया था। इस बीमारी की वजह से मेरा आधा चेहरा पैरालाइज्ड हो गया था। इसकी वजह से मैं जस्टिस टूर के नॉर्थ अमेरिका कॉन्सर्ट को पूरा नहीं कर सका था। कुछ दिन आराम करने के बाद मैंने डॉक्टर्स, फैमिली और टीम से बातचीत की और फिर इस टूर को पूरा करने के लिए यूरोप गया। मैंने वहां पर 6 लाइव शोज किए और इसकी वजह से मेरी हेल्थ पर काफी असर पड़ा। जस्टिन ने अपने नोट में आगे लिखा कि पिछले हफ्ते मैंने ब्राजील के लोगों को एंटरटेन करने में कोई कमी नहीं छोड़ी और वहां पर रियो में रॉक परफॉर्म किया। पर स्टेज से बाहर निकलने के बाद, मुझे काफी ज्यादा थकावट महसूस हुई। तब मुझे इस बात का एहसास हुआ कि इस वक्त मुझे अपनी हेल्थ को प्रायोरिटी देनी चाहिए। इसलिए मैंने सारे टूर से ब्रेक लेने का फैसला किया है। मैं ठीक हो जाऊंगा, लेकिन इसके लिए मुझे रेस्ट की जरूरत है। मैं हमेशा से इस शो और हमारे मैसेज को लाकर काफी प्राउड फील करता हूं।

न्यूजीलैंड टूर के बाद सात फेरे लेंगे राहुल और अथिया!

अथिया शेट्टी और भारतीय क्रिकेटर केएल राहुल अपने रिलेशन की खबरों को लेकर चर्चा में बने हुए हैं। आए दिन दोनों की शादी की खबरें भी आती हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक केएल राहुल अपनी लॉन्ग टाइम गर्लफ्रेंड से अगले साल जनवरी में शादी करेंगे। सूत्र के मुताबिक केएल राहुल ने बीसीसीआई को बताया कि वे अगले साल अथिया से शादी करेंगे। कपल टी-20 वर्ल्डकप और न्यूजीलैंड टूर के बाद महाराष्ट्र में शादी करेगा। यही बात अथिया के परिवार की तरफ से भी बताई गई है। इसके पहले रिपोर्ट्स में बताया गया था कि राहुल-अथिया की शादी सुनील शेट्टी के खंडाला स्थित बंगले जहान में होगी। बता दें, कपल 3 साल से एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। अथिया और राहुल मुंबई के बांद्रा स्थित पाली हिल में संधु पैलेस नाम की बिल्डिंग में सी-फेसिंग 4बीएचके अपार्टमेंट में साथ रह रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक कुछ दिनों पहले इसी घर में वेडिंग ऑर्गनाइजर्स भी रेकी के लिए गए थे। कयास यह भी लगाए जा रहे हैं कि कंपनी ने तैयारी शुरू कर दी है। रिपोर्ट्स के मुताबिक शादी के कुछ फंक्शन इस घर में होंगे। हालांकि अभी तक शादी की तारीख तय नहीं हुई है। केएल राहुल इन दिनों एशिया कप में बिजी हैं। हालांकि राहुल यहां अपने खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। मंगलवार को श्रीलंका के साथ हुए मैच में उन्होंने 7 बॉल का सामना किया और सिर्फ 6 रन बना पाए। दूसरे ओवर की चौथी गेंद पर राहुल आगे बढ़ के बड़ा खेलना चाहते थे, लेकिन बॉल जाकर उनके जूते पर लगी। श्रीलंकाई खिलाड़ियों ने जोरदार अपील की और अंपायर ने उन्हें एलबीडब्ल्यू आउट दे दिया। 4 मैचों में उन्होंने कुल 70 रन ही बनाए हैं। वहीं उनका स्ट्राइक रेट 104.47 का रहा। कुछ दिनों पहले एक इवेंट में पहुंचे सुनील से रिपोर्टर ने अथिया और केएल राहुल की शादी के बारे में पूछा था। इसका जवाब देते हुए सुनील ने कहा, मुझे लगता है जैसे ही बच्चे तय करेंगे तभी शादी होगी। राहुल का शेड्यूल अभी बहुत बिजी है। अभी एशिया कप है। वर्ल्डकप, फिर साउथ अफ्रीका टूर और ऑस्ट्रेलिया टूर है। जब बच्चों को एक लंबा ब्रेक मिलेगा, तब शादी होगी। भाई एक दिन में शादी नहीं हो सकती..। सुनील ने आगे कहा- अभी पापा चाहते हैं कि लड़की है तो शादी हो जाए, लेकिन एक बार राहुल को ब्रेक मिल जाए। बच्चों को डिसाइड करने दीजिए, क्योंकि आप कैलेंडर देखोगे तो डर जाओगे।

ब्रह्मास्त्र को मिल सकती है साल की सबसे बड़ी ओपनिंग

रणबीर-आलिया स्टारर फिल्म ब्रह्मास्त्र 9 सितंबर को अपनी ग्रैंड ओपनिंग के लिए तैयार है। फिल्म की एडवांस बुकिंग 2 सितंबर से शुरू हो गई थी। मेकर्स के लिए बड़ी की खुशी की बात है कि ब्रह्मास्त्र इस साल की सबसे बड़ी ओपनिंग कर सकती है। दरअसल, फिल्म के फर्स्ट डे शो के 3 नेशनल चेन में अब तक कुल 1.5 लाख से ज्यादा टिकट एडवांस में बिक चुके हैं। पहले दिन के साथ ब्रह्मास्त्र की वीकेंड टिकट भी तेजी से बिक रही हैं। अभी तक वीकेंड के लिए फिल्म के 2 लाख टिकट एडवांस में बिक चुके हैं। अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह आंकड़ा और भी बढ़ सकता है। कोरोना काल के बाद से बॉलीवुड की फिल्में बॉक्स-ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई हैं। इससे पहले सबसे ज्यादा बड़ी ओपनिंग फिल्म 83 को मिली थी, जिसके डे वन पर 1.17 लाख टिकट बिके थे। ऐसे में ब्रह्मास्त्र इस रिकॉर्ड को बड़ी ही आसानी से तोड़ देगी। बॉलीवुड की फिल्मों की बात करें तो साल 2022 की सबसे बड़ी एडवांस बुकिंग ग्रॉस कलेक्शन का रिकॉर्ड भूलभुलैया के पास था, लेकिन ब्रह्मास्त्र ने यह रिकॉर्ड तोड़ दिया है। रणबीर की यह फिल्म एडवांस बुकिंग के जरिए सबसे ज्यादा कलेक्शन करने वाली फिल्म बन गई है। कार्तिक की फिल्म ने ओपनिंग डे पर 14 करोड़ का बिजनेस किया था, हालांकि उम्मीद लगाई जा रही है कि ब्रह्मास्त्र का ओपनिंग डे कलेक्शन करीब 25 से 30 करोड़ तक होने वाला है। केजीएफ चैप्टर 2 साल 2022 की सबसे बड़ी फिल्म है। फिल्म ने अपने ओपनिंग डे पर 54 करोड़ रुपए कमाए थे।

अजब-गजब | बेटी के विदाई का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

बेटी की विदाई के पहले उसके पदचिन्हों को घर में संजोकर रखते दिखे मां-बाप

कहते हैं कि घर की लक्ष्मी बेटियां। यानी जिन घरों में बेटियां होती हैं वहां पर लक्ष्मी जी का वास होता है। बेटियों के जन्म लेने से पूरा घर रोशन रहता है। लेकिन शादी के बाद जब बेटियां विदा हो कर मां बाप का घर छोड़ जाती हैं तो घर की रौनक चली जाती है। बेटी के विदाई के समय माता-पिता को अत्यंत दुःखों से गुजरना पड़ता है। बेटी के विदाई के समय मां बाप बेटी को लिपट-लिपट कर रोते हैं, क्योंकि इसके बाद बेटी दूसरे के घर की हो जाती है। बेटी के विदाई का एक वीडियो इन दिनों सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें माता-पिता बेटी के विदाई के से पहले उसके पैरों के निशान को सजोकर रख रहे हैं।

बेटी के पद चिन्ह संजोकर रखते दिखें माता-पिता

आपको बता दें कि IAS अधिकारी संजय कुमार अक्सर अपने ट्विटर अकाउंट पर रोचक वीडियो पोस्ट करते रहते हैं। हाल ही में उन्होंने अपने ट्वीटर पर एक वीडियो शेयर किया है, जो लोगों को खुब पसंद आ रहा है। वीडियो की खासियत यह है कि इसमें एक माता-पिता बेटी के विदाई के समय उसके पैरों के निशान (पद चिन्हों) को हमेशा के लिए संजोकर रखना चाह रहे हैं। इसलिए उन्होंने बेटी के पद चिन्ह की आकृति कागज पर बनवा रहे हैं।

बेटी के पैरों का छाप लेते नजर आए मां-बाप

IAS अधिकारी संजय कुमार ने अपने ट्वीटर अकाउंट पर एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में एक लड़की के माता-पिता उसे कुर्सी पर बैठाकर थाली में रखे हैं और खुद जमीन पर बैठे हुए हैं। पिता बेटी के दोनों पेरौं को धुलते हुए दिखाई दे रहे हैं। जिसके बाद एक सफेद चादर पर लड़की को खड़ा करते हैं, जिससे सफेद चादर पर उसके दोनों पैरों के निशान बन जाते हैं।

60 हजार मिल चुके हैं व्यू

वीडियो को अब तक करीब 60 हजार व्यू मिल चुके हैं। वहीं वीडियो पर कई लोगों ने कमेंट भी किया है। कमेंट में कुछ लोग वीडियो की तारीफ कर रहे हैं।

आखिर क्यों एक कोने से कटे होते हैं सिम कार्ड

आज के समय में शायद ही कोई ऐसा इंसान होगा, जो मोबाइल का इस्तेमाल ना करता हो। आज 5 साल का छोटा बच्चा हो या फिर 70 साल का बूढ़ा इंसान, आपको हर कोई मोबाइल फोन इस्तेमाल करता दिख जाएगा। इसके अलावा आज इंटरनेट इतना सस्ता हो गया है कि लोग घंटों तक अपने मेबाइल फोन में लगे रहते हैं। इसी कारण लोगों के स्क्रीन टाइम में भी इजाफा हो गया है। हालांकि मोबाइल चलाने के लिए सबसे अहम चीज है उसमे लगने वाला सिम कार्ड। बिना सिम कार्ड के आपका फोन मात्र एक डिब्बे के बराबर है। इसलिए फोन का इस्तेमाल करने के लिए सिम कार्ड का होना अनिवार्य हैं। हालांकि, आपने अब तक कई कंपनियों के सिम कार्ड देखे होंगे, लेकिन क्या आपने कभी इस बात पर ध्यान दिया है कि आखिर सिम कार्ड एक कोने से क्यों कटा होता है या फिर उसके एक कोने पर कट किस कारण से लगाया जाता है? अगर नहीं, आइये आज हम आपको इसके पीछे की अहम वजह के बारे में बताते हैं। ऐसा नहीं है कि केवल अपने देश भारत में ही सिम कार्ड साइड में से कटे होते हैं बल्कि दुनिया भर में इसी प्रकार के सिम कार्ड बेचे जाते हैं। आज के समय में पूरी दुनिया में कई तरह की टेलीकॉम कंपनियां हैं, जो भारी मात्रा में सिम कार्ड बनाती हैं। आपकी नॉलेज के लिए बता दें कि पहले यानि शुरुआती समय में जो सिम कार्ड बनाए जाते थे, वो साइड से कटे हुए नहीं होते थे। उनका डिजाइन बेहद नॉर्मल और आयत आकार का हुआ करता था। ऐसे में लोगों को कई बार यह समझने में काफी दिक्कत होती थी की सिम का सीधा हिस्सा कौन सा है और उल्टा हिस्सा कौन सा है। कुछ लोग तो सिम का सीधा और उल्टा हिस्सा ना पहचान पाने की वजह से उसे अपने मोबाईल फोन में उल्टा ही लगा दिया करते थे। इसके बाद नेटवर्क ना आने पर सिम को दोबारा निकालने में भी काफी परेशानी होती थी। यहां तक की कई बार सिम की चिप भी खराब हो जाती थी। ऐसे में लोगों की इस परेशानी को दूर करने के लिए टेलीकॉम कंपनियों ने सिम के आकार में बदलाव करने का निर्णय लिया। कंपनियों ने सिम कार्ड में बदलाव करते हुए उसके एक साइड को काट दिया। इस कट के लगने के बाद लोगों को मोबाइल फोन में सिम कार्ड डालने और निकालने में आसानी होने लगी क्योंकि मोबाइल फोन में भी सिम कार्ड के स्लॉट में वो कट दिखाया गया। ऐसे में अब कोई भी सिम कार्ड को आसानी से फोन में डाल सकता है। लोगों को मिलने वाली इस सुविधा को देखते हुए सभी टेलीकॉम कंपनियों ने सिम कार्ड को नए कट वाले डिजाइन के साथ बेचना शुरू कर दिया।

यूपी में जंगलराज, किसानों-नौजवानों का हो रहा शोषण: अखिलेश यादव

» प्रदेश में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं, सिर्फ पूंजीपतियों को मिल रहा लाभ

» कानून व्यवस्था पूरी तरह हो चुकी है ध्वस्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि यूपी में जंगलराज की बात घर-घर पहुंच चुकी है। जनता उत्तर प्रदेश सरकार से तंग आ चुकी हैं। मुख्यमंत्री बयानों में चाहे जितनी सख्ती दिखाएं हकीकत में प्रदेश की कानून व्यवस्था की स्थिति न सुधरी है और न सुधरने वाली है। हर तरफ भ्रष्टाचार का बोलबाला है। भाजपाराज में तमाम फायदे सिर्फ पूंजीपतियों को ही मिले हैं, गरीब होना तो अभिशाप हो गया है।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार में हालात पिछले पांच सालों में ज्यादा बिगड़े हैं। भाजपा सरकार में बहन-बेटियां सुरक्षित नहीं है। किसान-नौजवान शोषण के शिकार हैं। गाजियाबाद के मोदीनगर में दुष्कर्म पीड़िता और उसके परिवार को आरोपी ने कोर्ट में ही जान से मारने की धमकी दी। भयभीत छात्रा ने कॉलेज जाना छोड़ दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की इससे बड़ी विफलता और क्या हो सकती है कि भाजपा के नेताओं पर ही तमाम उंगलियां उठने लगी हैं। पुलिस थानों में पुलिस वालों के बीच हाथापाई हो रही है। चौरीचौरा से भाजपा विधायक अपनी ही जान और सुरक्षा की गुहार लगा रहे हैं। सीएम के गृह जनपद में ये हालात शर्मनाक है। जालौन में नशे में धुत पुलिसकर्मी सरेराह आपस में मारपीट करते दिखे। बदहाल हालात की एक ही दिन की ये घटनाएं तो सिर्फ नमूना है। कन्नौज के इंदरगढ़ में गोली मारने के बाद युवक की सिर कूंच कर हत्या कर दी गई। अयोध्या में बैंक में कैशियर के केबिन से दिनदहाड़े 20 लाख की लूट हुई। महाराजगंज में स्कूल से लौट रहे छात्र को अगवा करने का प्रयास किया गया। लगता है भाजपाइयों के लालच के लिए भ्रष्टाचार का पैसा कम पड़ गया है तभी तो वे रंगदारी के साथ-साथ चंदा चोरी, बच्चा चोरी, नकदी और कीमती सामानों की चोरी से भी पैसा कमा रहे हैं। बरेली में भाजपा आईटी सेल मंडल प्रमुख को चोरी, रंगदारी केस में जेल भेजा गया है। भाजपा सिर्फ सत्ता के मद में नैतिक मूल्यों को ध्वस्त करने पर तुली हुई है।

गोंडा: डीएम आवास परिसर में दिखा तेंदुआ, हड़कंप

» वन विभाग की टीम ने लगाए पिंजड़े

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोंडा। डीएम आवास परिसर में एक बार फिर तेंदुआ ने दस्तक दी है। गार्ड की सूचना पर वन विभाग की टीम कांबिंग कर रही है। परिसर में तेंदुआ पकड़ने के लिए दो पिंजड़े लगाए गए हैं। इसके अलावा सीसी कैमरे से भी निगरानी की जा रही है। सर्च आपरेशन के लिए एसडीओ को प्रभारी नामित किया गया है।

शहर के सिविल लाइंस में डीएम डा. उज्ज्वल कुमार का आवास है। सुरक्षा में तैनात गार्ड ने परिसर में तेंदुआ देखा। इसकी वन विभाग को दी गई। इसके बाद परिसर में तेंदुआ की तलाश शुरू हुई। डीएफओ आरके त्रिपाठी ने कहा कि कांबिंग के लिए दो टीमों का गठन किया गया है। सभी सदस्यों की आठ-आठ घंटे की ड्यूटी लगाई गई है। दो पिंजड़े भी लगवा दिया गया है। गौरतलब है कि डीएम आवास के गेट से परिसर में प्रवेश करते हुए 13 माह पहले भी तेंदुआ देखा गया था।

बिहार में विपक्षी दल एकजुट भाजपा पड़ी अकेली: नीतीश

» शरद पवार समेत कई नेताओं से की मुलाकात

» प्रशांत किशोर पर भी साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अपने दिल्ली दौरे के तीसरे दिन बुधवार को शरद पवार, दीपंकर भट्टाचार्य समेत कई नेताओं से मुलाकात की। उन्होंने कहा कि बिहार में सभी विपक्षी दल एकजुट हैं। राज्य के सात विपक्षी दल एक साथ हैं। अब भाजपा अकेली पड़ गई है, जिसके चलते भाजपा के वरिष्ठ नेता बेमतलब की बयानबाजी करते रहते हैं।

पत्रकारों ने जब नीतीश कुमार से पूछा कि प्रशांत किशोर का कहना है कि बिहार में हुए बदलाव का देश में कोई असर नहीं पड़ेगा। इस पर उन्होंने कहा कि वे (प्रशांत किशोर) मेरे साथ आए थे न। बिहार में जो करना है वह करें। प्रदेश में 2005 से क्या काम हो रहा है, ऐसे लोगों को कुछ पता भी है। अगर कोई इस तरह की बात कहता है तो इसका मतलब यही है कि उसे भाजपा के साथ रहने का मन होगा या मदद करने की इच्छा होगी। महागठबंधन की सरकार बनने के बाद भाजपा लगातार सीएम नीतीश कुमार पर हमलावर है। भाजपा से राज्य सभा सांसद सुशील मोदी के बयानों पर उन्होंने कहा कि मेरा खिलाफ अनाप-शनाप बोलने पर हो सकता है उनकी पार्टी उन्हें कोई जगह दे दे। मैं काम करने में यकीन करता हूं। हमलोग लगातार बिहार में काम कर रहे हैं। हमसे अलग होने के बाद भाजपा की क्या हालत हुई। पिछले लोक सभा चुनाव में हम साथ थे तब जाकर इतनी सीटे मिली थीं। अगले चुनाव में पता चल जाएगा।

नया परिवर्तन लाएगी भारत जोड़ो यात्रा: भूपेश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। तमिलनाडु के कन्याकुमारी से कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा का आगाज हुआ। यात्रा सभा को संबोधित करते हुए छत्तीसगढ़ के सीएम भूपेश बघेल ने कहा कि भारत को जोड़ने राहुल गांधी यात्रा निकाल रहे हैं। भारत जोड़ो यात्रा इस देश की राजनीति में एक नया परिवर्तन लाने जा रही है। यात्रा का आगाज हो चुका है।

उन्होंने कहा कि यह वह जगह है जहां तीन समुद्रों को संगम होता है। यह वह जगह है जहां से विवेकानंद शक्ति लेकर गए और पूरी दुनिया को शिकागो में संदेश दिया। यह वह भारत है जहां दुनियाभर के सताए हुए लोगों को आश्रय मिला है। महात्मा गांधी यहां आए और शांति का संदेश लेकर गए। सत्य और अहिंसा के रास्ते पर चलकर उन्होंने अंग्रेजों को उखाड़ फेंका। उन्हीं अंग्रेजों को मानने वाले लोग आज देश में जहर फैलाने का काम कर रहे हैं।

उपराज्यपाल पर भड़के आप सांसद संजय सिंह, बोले

भ्रष्टाचार की पोल खोलने पर भेजा लीगल नोटिस

» कारीगरों के नाम पर किया गया करोड़ों का घोटाला फाड़ा नोटिस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। आप सांसद संजय सिंह ने उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना की ओर से भेजे गए कानूनी नोटिस को फाड़ दिया। आप सांसद ने कहा कि खादी ग्रामोद्योग में रहते हुए सक्सेना ने कारीगरों को नगद वेतन देने के नाम पर करोड़ों का घोटाला किया। अदालत के मना करने के बावजूद कारीगरों को नगद में भुगतान जारी रखा गया।

उन्होंने कहा कि खादी ग्रामोद्योग में वीके सक्सेना के कार्यकाल में 4.55 लाख कारीगर थे मगर उसमें सिर्फ 1.93 लाख का ही बैंक में खाता खुला था। बाकी 2.5 लाख से अधिक घोस्ट कर्मचारी थे, जिन्हें हर माह नगद वेतन दिया जा रहा था। बिना रिकॉर्ड के अज्ञात लोगों के नाम पर पैसा बांटा गया। केंद्रीय सतर्कता आयोग ने भी अपनी जांच में इसकी पुष्टि की है। इसकी सीबीआई और ईडी जांच होनी चाहिए। कानूनी नोटिस पर आप सांसद ने कहा कि भ्रष्टाचार का यह मामला किसी सामान्य व्यक्ति के खिलाफ नहीं है। यह केंद्र की ओर से नियुक्त एलजी के खिलाफ है। जब हम उनके भ्रष्टाचार की पोल खोलते हैं तो हमें कानूनी नोटिस भेज दिया जाता है। भ्रष्ट व्यक्ति के नोटिस भेजने से मैं डरने और रुकने वाला नहीं हूं। ऐसे नोटिस को 10 बार फाड़कर फेंकता हूं।

गुजरात में दिखेगा नीतीश कुमार का असर!

» 4पीएम की परिचर्चा में उठे कई सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बिहार के सीएम नीतीश कुमार दिल्ली आकर विपक्ष के नेताओं को मैनेज करने में जुटे हैं। नीतीश ने अखिलेश के लिये कहा कि यह यूपी संभालेंगे। ऐसे में इस बयान का राजनीतिक अर्थ क्या है? इस मुद्दे पर वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, शीतल पी सिंह, सुनील शुक्ला, सैयद कासिम, उत्कर्ष सिन्हा और 4पीएम के संपादक संजय शर्मा ने एक लंबी परिचर्चा की।

सुशील दुबे ने कहा कि जेपी नड्डा ने कहा था कि 25 के बाद विपक्ष नहीं रहेगा। ये बहुत बड़ी बात है। जब गुजरात का शख्स प्रधानमंत्री बन सकता है तो कुछ भी संभव है। यूपी में एक-दो सीट पाने वाली पार्टी पदयात्रा पर है। अखिलेश संघर्ष कर रहे हैं।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सैयद कासिम ने कहा, विधान सभा चुनाव में कुर्मियों ने उस तरह वोट नहीं किया, जिस तरह 2014 में किया था। 14 और 19 में कुर्मियों ने भाजपा और अपना दल को वोट दिया। अनुप्रिया पटेल को इसका फायदा भी हुआ। इस बार हर पार्टी से कुर्मी विधायक जीता है। कांग्रेस से भी जीतकर आया तो इतिहास तो बना इस बार। अब कुर्मी क्या चाहता है 24 में पता चलेगा। उत्कर्ष सिन्हा ने कहा कांग्रेस यूपी में लड़ेगी कैसे? अध्यक्ष तक नहीं है इनके पास। प्रियंका गांधी लड़ती नहीं। कांग्रेस के वजूद पर चर्चा करना ठीक नहीं रहेगा। मायावती का स्टैंड यूपी चुनाव में देख लिया सभी ने। नीतीश नई लाइन पर चलना चाहते हैं, वे जानते हैं कन्फ्यूजन नहीं है। नीतीश का महागठबंधन में आना एक प्लान है। एक सर्वे में 55 फीसदी मोदी के पक्ष में है। महंगाई-बेरोजगारी का सवाल तो है। नीतीश के आने से गुजरात में इसका असर जरूर दिखेगा। सुनील शुक्ला ने कहा कि यूपी में गैर राजनीतिक दल में केंद्रबिंदु अखिलेश यादव है। सपा का हर जिले में संगठन है, मजबूत संगठन है। सक्रिय संगठन है। जो पार्टी 41 से 115 पर पहुंच जाए तो फायदे में है। कांग्रेस यूपी में कहीं नहीं, उनके पास लीडरशिप नहीं है। बहनजी की स्थिति सबके सामने है। जयंत और अखिलेश ही नई लीडरशिप है। अखिलेश तथ्यातमक रूप से भाजपा के लिए सही है। हां, वर्तमान में अखिलेश ने मुद्दे पर हमेशा लोगों को निराश ही किया। कभी सड़क पर नहीं निकले। वहीं शीतल पी सिंह ने भी परिचर्चा में अपनी बात रखी।

डिप्टी सीएम ने दिया संकेत, नवंबर में हो सकते हैं निकाय चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। बरेली में उपमुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक ने कहा कि नवंबर में निकाय चुनाव हो सकते हैं। कार्यकर्ता क्षेत्र में डटकर मेहनत करें। स्वास्थ्य सेवाओं पर कहा कि अधिकारी सच छिपा जाते हैं, इसलिए निरीक्षण के लिए अकेले ही पहुंच जाता हूं। सभी अस्पतालों की व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के लिए ऐसे कदम उठाए जा रहे। उन्होंने डाक्टरों की कमी पर कहा कि संविदा पर भर्ती की जाएगी। अस्पतालों में मरीजों की बढ़ती संख्या देखते हुए ओपीडी के

» उप मुख्यमंत्री बोले- अधिकारी सच छिपा जाते हैं इसलिए करते हैं निरीक्षण

काउंटर बढ़वाए जा रहे हैं।

बुधवार रात को वह सर्किट हाउस पहुंचे थे। पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात के बाद सर्किट हाउस में विभागीय अधिकारियों को बुला लिया। उन्होंने कहा कि हर मरीज को सरकारी सेवा का लाभ मिले, इसके लिए अपनी जिम्मेदारी निभाते रहें। बाद में

मीडिया से कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को सुधारने के प्रयास किए जा रहे हैं। पूरे प्रदेश में डाक्टरों की कमी हैं। पूरे प्रदेश के सभी सरकारी अस्पतालों से हर दिन ओपीडी का डाटा वह मांगते हैं। एक दिन में करीब डेढ़ लाख मरीजों की ओपीडी होती है। इसमें करीब 12 हजार मरीज हर दिन सिर्फ हादसों का शिकार होने वाले ही पहुंचते हैं।

कोरोना काल में जब बीमारी फैली तो प्रधानमंत्री ने सभी लोगों के खातों में सिर्फ एक क्लिक में ही धनराशि ट्रांसफर की थी। जन धन खातों की मदद से हर गरीब व्यक्ति के खाते में धनराशि पहुंचाई गई। सरकार की ओर से निश्शुल्क राशन भी दिया गया ताकि हर गरीब का पेट भर सके।

निरीक्षण से पहले गेट बंद कराया तो 75 फीसदी कर्मचारी मिले गैरहाजिर

जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव ने किया सिंचाई विभाग का औचक निरीक्षण

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष के पद से कार्यमुक्त जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह अब अपने विभाग यानी जलशक्ति विभाग के कायाकल्प में लगे हैं। प्रदेश में बीते दिनों बाढ़ ग्रस्त इलाकों का सर्वेक्षण करने के बाद स्वतंत्र देव सिंह ने लखनऊ में अपने विभाग के अधीन एक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। प्रदेश के जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह गुरुवार को योजना भवन के पास में सिंचाई विभाग के कार्यालय पहुंचे। मंत्री ने इस दौरान अंदर जाते ही कार्यालय का मुख्य द्वार के साथ ही अन्य सभी गेट को बंद करा दिया।

स्वतंत्र देव सिंह को गुरुवार को ललितपुर दौरे पर जाना था। इससे पहले ही उन्होंने लखनऊ में सिंचाई विभाग के कार्यालय का आज औचक निरीक्षण किया। स्वतंत्र देव सिंह अपने वाहन के साथ अचानक ही सिंचाई विभाग कार्यालय पहुंचे। औचक निरीक्षण के दौरान जलशक्ति मंत्री ने कार्यालय के सभी गेटों को बंद कराया।

उन्होंने सभी कर्मचारियों के अटेंडेंस रजिस्टर को मंगाया तो पता चला कि 9:30 बजे तक सिंचाई विभाग के 75 प्रतिशत कर्मचारी कार्यालय नही पहुंचे थे। उनके इस निरीक्षण से सिंचाई विभाग के कर्मचारियों अफरातफरी का माहौल बन गया। मंत्री ने शीर्ष अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाने के बाद सभी के आने-जाने का विस्तृत ब्यौरा भी तलब किया है।

राजधानी में माननीयों की बिजली होगी और वीआईपी!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। कालीदास मार्ग, विक्रमादित्य मार्ग, गौतमपल्ली सहित आसपास के इलाकों में रहने वाले मुख्यमंत्री, मंत्री, विधायक, सांसद एवं नौकरशाहों को बिजली सप्लाई की व्यवस्था और 'वीआईपी' होने जा रही है। इसके लिए विक्रमादित्य मार्ग पर 10.50 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे 33/11 केवी उपकेंद्र के दिवाली तक चालू होने की उम्मीद है।

कालीदास मार्ग, गौतमपल्ली, विक्रमादित्य मार्ग, माल एवेन्यू, राजभवन कॉलोनी एवं महात्मा गांधी मार्ग आदि इलाकों में रहने वाले इन माननीयों को राजभवन एवं कूपर रोड उपकेंद्र से बिजली मिलती है। हालांकि यहां हर साल विद्युत भार की मांग बढ़ रही है। ऐसे में भविष्य में इनकी सप्लाई में बाधा न आए, इसके लिए विक्रमादित्य मार्ग पर नए उपकेंद्र का काम तेजी से चल रहा है, जो इस महीने तक पूरा हो जाएगा। हालांकि ट्रांसमिशन से आने वाली 33 केवी सप्लाई की वेब तैयार होने में अक्टूबर तक समय लग सकता है। अधिशासी अभियंता निर्माण खंड अंकित वर्मा का कहना है कि नए उपकेंद्र का लगभग 75 फीसदी काम पूरा हो चुका है। 20 सितंबर तक स्विच गियर आदि लग जाएंगे। हालांकि बिल्डिंग का काम पूरा होने में 15 दिन और लग सकते हैं।

रैली की बसों का किराया नहीं दे सके कांग्रेसी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पीलीभीत में सिविल जज जूनियर डिवीजन कोर्ट नंबर दो ने चैक बाउंस होने के मामले में कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरप्रीत चब्बा के विरुद्ध जमानती वारंट जारी किया है। साथ ही सुनवाई के लिए 23 सितंबर की तिथि नियत की है। अमरिया बस स्टैंड के मैनेजर मोहम्मद अकरम ने न्यायालय में वाद दायर कर कहा कि कांग्रेस जिलाध्यक्ष हरप्रीत सिंह चब्बा विधानसभा चुनाव की पार्टी की रैली में विगत दो दिसंबर 2021 को मुरादाबाद कार्यकर्ताओं को जनपद से 23 बसों से ले गए। बसों को तीन लाख 44 हजार रुपये में तय किया गया था।

रोजगार देने में यूपी ने पछाड़ा 17 राज्यों को

» राष्ट्रीय औसत के आधे से कम बेरोजगारी

» परिवार के एक सदस्य को रोजगार जल्द

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश ने रोजगार देने के मामले में 17 राज्यों को पीछे छोड़ दिया है। सेंटर फॉर मानिटरिंग इंडियन इकोनॉमी (सीएमआईई) की ताजा रिपोर्ट में यह बताया गया है। इस रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में 3.9 फीसदी बेरोजगारी है, तो राजस्थान में 31.4 फीसदी बेरोजगारी है।

यानी राष्ट्रीय औसत 7.7 से प्रदेश में आधे से भी कम बेरोजगारी है। सीएमआईई ने एक मई से 31 अगस्त तक किए गए सर्वे के आंकड़ों के आधार पर यह रिपोर्ट जारी की है। संस्था की ओर से देश के 28 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में सर्वे किया गया है। उत्तर प्रदेश में वर्ष 2016-17 में बेरोजगारी दर 17.5 प्रतिशत थी। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने अधिक से अधिक युवाओं को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ने के लिए मिशन रोजगार की शुरुआत की। अब तक सवा पांच लाख युवाओं को सरकारी नौकरी, तीन लाख युवाओं को सरकारी विभागों में संविदा पर सेवा और एमएसएमई में दो करोड़ लोगों को रोजगार दिलाया गया है। इसके अलावा मनरेगा और स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से करीब ढाई करोड़ लोगों और ओडीओपी में 25 लाख लोगों को रोजगार दिलाया गया है। प्रदेश सरकार हर परिवार के एक सदस्य को रोजगार दिलाने वाले हैं। परिवार कल्याण योजना के तहत हर परिवार की आईडी बनाने के लिए आवेदन पोर्टल का ट्रायल को जल्द लांच किया जाएगा। प्रदेश में 15 करोड़ आधार वैलिडेटेड राशन कार्डधारक हैं, जिन्हें तुरंत परिवार आईडी कार्ड जारी की जा सकती है। इसके तहत हर परिवार को एक आईडी दी जाएगी। फिलहाल यह योजना स्वैच्छिक है और सरकारी योजना का लाभ लेने के इच्छुक लोगों को आवेदन की आवश्यकता होगी। परिवार कल्याण योजना हर परिवार के लिए रोजगार का आधार बनेगा। पोर्टल पर फीड डाटा के अनुसार लोगों की जरूरतों को ध्यान में रखकर सरकार को नई योजनाएं बनाने में भी मदद मिलेगी।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।